आवेश दुरियां बढाता है - साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा

कोठारिया क्षेत्र के लोगों ने आचार्यश्री महाश्रमण से अपने क्षेत्र में पधारने की अर्ज की

'जब व्यक्ति गुस्से में होता है, लड़ाई करता है तो वह अपना आपा खो देता है और वह जोर-जोर से बोलकर अपनी बात को सुनाता है इसका कारण है कि जब गुस्सा आता है तो दुरिया बढ़ जाती है उस दूरी के कारण अपनी बात को कहने के लिए जोर से बोलता है। इसी प्रकार जब व्यक्ति वात्सल्य, प्रेम भाव होता है तो व्यक्ति एक दूसरे बातें आंखों से ही समझ जाता है धीरे से भी बोलने की आवश्यकता नहीं रहती है। '

उक्त विचार साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने तेरापंथ भवन में उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किये।

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने आगे कहा कि व्यक्ति के शरीर को गुस्सा प्रदूषित करता है, गुस्सा प्रेम सौहार्द को समाप्त कर देता है, अहिंसा अमृत है, अहिंसा को सभी धर्मो ने स्वीकार किया है। माया, छलकपट सबसे बड़ा भय होता है, छल कपट करने वालों को हमेशा डर रहता है कि कहीं मेरी बात उजागर न हो जाए आदि कई बातों का उसे डर सताता है। सत्य सबसे बड़ा आश्रय होता है जो कुछ सामने होता है वह सब स्पष्ट होता है, अपने व्यवहार में सत्य का प्रयोग करना चाहिए।

साध्वीप्रमुज़ा कनप्रभा ने कहा कि सभी व्यक्ति सुख चाहते हैं सुख के लिए धर्म की आराधना करते हैं, सुखी रहने के लिए परिवार बनाते हैं, व्यापार करते हैं जो हर व्यक्ति की सामान्य प्रवृत्ति है। किंतु जो लोभी व्यक्ति है वह कभी सुखी नहीं रह सकता। सुखी व शांति से रहने के लिए व्यक्ति अपना अनुभव बांटे, जो व्यक्ति अपने अच्छे परिवार के साथ रहता है वह सुखी होता है, सुखी परिवार का निर्माण करना चाहिए जिस घर या परिवार में सौहार्द है, शांति है, विवेक है, सहनशीलता है, उपशम का भाव, विनयम परोपकार की भावना भी मनुष्य की मित्र है, उपशम भाव जिसका घर होता है, विनय जिसपुत्र होता है। मनुष्य का दुश्मन अभिमान है, मनुष्य अहंकार में दूसरों को सज़्मान नहीं करता। जागरूकता मनुष्य का मित्र है, जो जागरूक रहता है वह अहित से बचता है।

आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में राजसमंद जिले के कोठारिया क्षेत्र के लोगों ने उपस्थि होकर मेवाड़ यात्रा के दौरान अपने क्षेत्र में पधारने की अर्ज की, कोठारिया क्षेत्र की महिला मण्डल ने समुह गीत प्रस्तुत किया। उनकी अर्ज को स्वीकार करते हुए आचार्यश्री महाश्रमण ने स्पर्श करने का आश्वासन दिया।

- ***शीतल बरड़िया*** (मीडिया संयोजक)

महाश्रमण चातुर्मास 2010
सरदारशहर

आचार्य श्री महाश्रमण चातुर्मास 2010

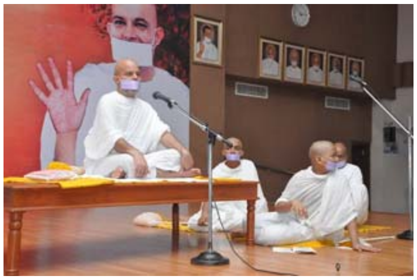

तुर्मास 2010